SPECIAL MENTIONS - *Contd.*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): Now, Shri Tiruchi Siva; not present. Then, Shri Jugalsinh Lokhandwala.

Need for necessary steps to promote sports and improve india's performance in the sports world

श्री जुगलसिंह लोखंडवाला (गुजरात) : महोदय, मैं माननीय सदन के सामने स्पोर्ट्स की भारत में क्या स्थिति है और कैसे हम विश्व स्तर की ओर आगे बढ़ सकें, इस विषय को लेकर खड़ा हुआ हूं।

माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने खिलाड़ियों के प्रोत्साहन, ट्रेनिंग, सुविधा, रख-रखाव आदि हेतु कई कदम उठाए हैं। इनमें प्रमुख 'खेलो इंडिया' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' रही है। हमारे खिलाड़ियों की कड़ी तपस्या के चलते भारत को कई विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में सम्मान मिला है और हमारे खिलाड़ियों ने जीत का झंडा फहराया है।

भारत को खेल जगत में सुपर पावर बनाने के लिए जरूरत है कि स्पोर्ट्स का कल्चर समाज में पिरोया जाए। समाज का खेल के प्रति नज़रिया बदलने की जरूरत है और इस पक्ष में मेरे कुछ सुझाव हैं। पहला, खेलों का स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम के साथ समावेश करना, पाठ्यक्रम में कक्षा बारहवीं तक शारीरिक शिक्षा अनिवार्य करते हुए खेलों में छात्रों के प्रदर्शन को मूल्यांकन से शामिल करना एवं शिक्षा विभाग द्वारा मूलभूत सुविधाओं को पूरा करवाना। दूसरा, जैसे आईटी के लिए एसईज़ेड बनाए गए हैं, वैसे ही खेलों के लिए स्पोर्ट्स एक्टिविटीज़ ज़ोन बनवाएं, जिसे पीपीपी मॉडल पर ऑपरेट किया जाए। तीसरा, सीएसआर, एमपीलैड और सरकारी योजनाओं के माध्यम से खेलों की सुविधाओं को बढ़ावा देना, जिससे स्पोर्ट्स फाइनेंस के लिए नए अवसर खुल सकें। चौथा, बच्चों, आदिवासी, पिछड़े समाज और महिलाओं को ज्यादा खेलों की मुख्य धारा में लाना है। पांचवां, बच्चों के ज्ञान और उनकी वृद्धि के लिए स्पोर्ट्स हेल्पलाइन चालू करनी चाहिए।

अतः सरकार से मेरा आग्रह है कि खेलों के स्तर को बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI MAHUA MAJI (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI KAMAKHYA PRASAD TASA (Assam): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): Now, Shri Sanjay Singh; not present. Then, Shrimati Darshana Singh.

Need to take steps to prevent wastage of water and promote its conservation

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, जल मनुष्य के जीवन का वह अहम हिस्सा है, जिसके बिना इंसान अपने जीवन के सफर को पूर्ण नहीं कर सकता है। मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने जल जीवन और सम्मान को समेकित करके देश के सभी गांवों और नगरों में भी हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने की संकल्पना के साथ 15 अगस्त, 2019 को 'जल जीवन मिशन योजना' को प्रारम्भ किया। 'जल जीवन मिशन' के तहत चलाए गए इस कार्यक्रम को 'हर घर जल' का नाम दिया गया है। इसके तहत प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति को 55 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। 3.6 लाख करोड़ रुपये से इस योजना को 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। माननीय प्रधान मंत्री जी के संकल्प से आज लद्दाख के 13,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित डेमचोक गांव के लोगों तक नल से पानी की आपूर्ति होने लगी है। इससे महिलाओं को दूर-दूर तक पानी लेने नहीं जाना पड़ता है। प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन आदि के लिए रोज़गार के नए अवसर सृजित हुए हैं। अन्य नए प्रयोग भी हो रहे हैं। बल्क वॉटर ट्रांसफर ट्रीटमेंट प्लांट्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के अतिरिक्त पानी की गुणवत्ता को सुधारने के लिए नई तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है, लेकिन पानी की बरबादी एक बड़ी समस्या है।

अतः मैं सरकार से अनुरोध करना चाहती हूं कि पानी की बरबादी को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और वर्षा जल संचयन तथा ग्रे वॉटर के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक जन जागरण अभियान चलाया जाए।

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.